चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-8-24	2	1-4

हरे चारे के साथ ही आमदनी बढ़ाने में भी सहायक है ज्वार की फसल

कटाई वाली अनेक किस्में 3 से 5 बार में 300 क्विंटल प्रति एकड़ चारे की देती हैं पैदावार

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। ज्वार की खेती करके किसान अपने पशुओं के लिए चारे की आपूर्ति करने के साथ-साथ उसे बेचकर भी अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। हरे चारे में ज्वार की मांग बहुत अधिक रहती है और यह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बोई जा सकती है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि जल्द बढ़ने की क्षमता व अधिक चारा उत्पादन के साथ मिठास युक्त स्वादिष्ट चारे का गुण ही ज्वार को आदर्श चारा फसल बनाता है। ज्वार का पौधा कठोर होने के कारण प्रतिकूल परिस्थितियां जैसे अधिक तापमान और सूखे को सहन करने की क्षमता रखता है इसीलिए इसे कम पानी या शुष्क क्षेत्रों में भी हरे चारे के लिए लगाया जाता है। हरे चारे के अलावा इसे सूखा चारा (कड़बी) के रूप में भी इसका उपयोग किया जाता है।

पौष्टिकता की दृष्टि से देखें तो ज्वार के हरे चारे में प्रोटीन (8 से 11 प्रतिशत), फाइबर (30 से 32 प्रतिशत) और लिग्निन (6 से 7 प्रतिशत) पाए जाते हैं जो अन्य चारे की अपेक्षा इसको सुपाच्य, स्वादिष्ट एवं पशु के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी बनाता है।

खेत में लहलहाती ज्वार की फसल। - अमर उजाला

ज्वार की उन्नत किस्में

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि ज्वार की फसल के लिए एक कटाई वाली मुख्य उन्नत किस्मों में सीएसवी 53 एफ, एचजे 1514, एचजेएच 1513, एचजे 541, एचजे 513, एचसी 308, एचसी 136 आदि शामिल हैं। ये सभी किस्में 80 से 85 दिन में हरे चारे के लिए तैयार हो जाती हैं और इनकी हरे चारे की औसतन पैदावार 200-250 क्विंटल प्रति एकड़ तक है। इनके अलावा एसएसजी 59-3 अनेक कटाई वाली किस्म है। यह किस्म नवंबर तक तीन से पांच कटाई में 300 क्विंटल प्रति एकड़ हरे चारे की पैदावार देती है।

ऐसे करें खेत की तैयारी

चारा अनुभाग के ज्वार विशेषज्ञ डॉ. सतपाल ने बताया कि ज्वार की खेती वैसे तो सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती है, लेकिन अच्छे जल निकास वाली दोमट मिट्टी इसकी खेती के लिए बढ़िया है। ज्वार के लिए 20-24 किलोग्राम व सुडान घास के लिए 12 से 14 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ के हिसाब 25 सेमी के फासले पर लाइनों में ड्रिल या पोरे की मदद से करें। यदि किसी कारणवश छिड़काव विधि द्वारा बुआई करनी पड़े तो बीज की मात्रा में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि आवश्यक है।

- उन्होंने बताया कि बरानी इलाकों में बिजाई के समय 20 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति एकड़ दें। सारी खाद बिजाई से पहले कतारों में ड्रिल करें। अधिक वर्षा वाले या सिंचित इलाकों में 20 किलोग्राम नाइट्रोजन बिजाई के समय तथा 10 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति एकड़ बिजाई के एक महीने बाद भी डालें। बिजाई के समय 12 किलोग्राम फास्फोरस व 12 किलो पोटाश भी प्रति एकड़ के हिसाब डालें। ज्वार उगने के 15-20 दिन बाद या पहली सिंचाई के बाद, भूमि के बतर आने पर एक बार निराई-गुड़ाई करें। वर्षा ऋतु में बोई फसल में आमतौर पर सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। यदि बारिश का अंतराल बढ़ जाए तो आवश्यकता के अनुसार सिंचाई करें। अधिक कटाई वाली फसल में हर कटाई के बाद सिंचाई अवश्य करें, इससे फुटाव जल्दी व अधिक होता है।

- **विषैले तत्वों का प्रबंधन...** ज्वार में धूरिन की अधिक सांद्रता पशुओं के लिए हानिकारक होती है। धूरिन अगर 200 पीपीएम से ज्यादा हो तो यह पशुओं के लिए घातक होता है। 30 दिन की फसल में इसकी सांद्रता ज्यादा होती है। इसलिए फसल को बिजाई के 50 से 60 दिन बाद ही काटना चाहिए, अगर बहुत जरूरी हो तो एक सिंचाई करने के बाद ही कटाई करें और अन्य चारे के साथ उचित अनुपात में मिलाकर पशुओं को खिलाएं। अधिक सूखा एवं अधिक नाइट्रोजन उर्वरकों का प्रयोग भी धूरिन की सांद्रता को बढ़ाता है।

फूल आने पर करें कटाई

एक-कटाई वाली किस्मों की कटाई फूल आने पर करें। बहु-कटाई वाली चारा फसल में पहली कटाई बुवाई के 55-60 दिन बाद करें और इसके बाद कटाई 40-45 दिन के बाद करें। बहु कटाई वाली किस्मों की कटाई जमीन से 10-12 सेमी. ऊपर से करें ताकि फुटाव जल्दी हो।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	5.8.24	13	7.8

अनुसूचित जाति/जनजाति उम्मीदवारों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण 9 से

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में हरियाणा के अनुसूचित जाति, जनजाति के उम्मीदवारों को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण दिए जाएंगे। प्रशिक्षण में विकलांग, विधवा व तलाकशुदा महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने रविवार को बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के मार्गदर्शन में 9 अगस्त से पांच दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत फल व सब्जी परीक्षण, नर्सरी रैजिंग, बेकरी, दुग्ध एवं इसके मूल्य संवर्धित उत्पाद, कटाई एवं सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अनुसूचित जाति, जनजाति के बेरोजगार और जरूरतमंद विशेष कर ग्रामीण युवक एवं युवतियां जो यह प्रशिक्षण लेना चाहते हैं वे आगामी 9 अगस्त तक अपने आवेदन पत्र संबंधित संस्थान में किसी भी कार्य दिवस को प्रातः 9 बजे से सायं 4:30 बजे तक जमा करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि चयनित प्रतिभागियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात राज्य सरकार की योजनाओं के अनुसार स्वयं का रोजगार शुरू करने के लिए निर्धारित मापदंडों के अनुसार सहायता सामग्री देने का प्रावधान है। आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक योग्यता, प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र, हरियाणा सरकार द्वारा जारी अनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक अकाउंट की कॉपी सहित सभी दस्तावेजो कि सत्यापित प्रति संलग्न करनी होगी। उन्होंने बताया कि फॉर्म भरने से पहले संबंधित व्यक्तियों को परिवार पहचान पत्र के अनुसार किसी भी सदस्य ने इससे पहले इस विश्वविद्यालय या इसके संबंध हरियाणा के किसी भी कृषि विज्ञान केंद्र संस्थान से अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों के लिए सहायता प्राप्त स्कीम के तहत किसी भी तरह का प्रशिक्षण प्राप्त न किया हुआ हो इस संबंध में उम्मीदवार को अंडरटेकिंग इस संस्थान में जमा करवानी होगी। यह संस्थान विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3, लुदास रोड पर स्थित है। उन्होंने बताया कि आवेदक की आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और इस प्रशिक्षण में विकलांग, विधवा तथा तलाकशुदा महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

■ प्रशिक्षण में विकलांग, विधवा व तलाकशुदा महिलाओं को दी जाएगी प्राथमिकता

हिसार। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक गोदारा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	5.8.24	8	1-3

एचएयू में अनुसूचित जाति/जनजाति उम्मीदवारों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण 9 अगस्त से शुरू

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार स्थित सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में हरियाणा के अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण दिए जाएंगे। आवेदक की आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और इस प्रशिक्षण में विकलांग, विधवा तथा तलाकशुदा महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सीसीएसएचएयू, हिसार में 9 अगस्त से पांच दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत फल व सब्जी परीक्षण, नर्सरी रेजिंग, बेकरी, दुग्ध एवं इसके मूल्य संवर्धित उत्पाद, कटाई एवं सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अनुसूचित जाति/ जनजाति के बेरोजगार और जरूरतमंद विशेष कर ग्रामीण युवक एवं युवतियां, जो यह प्रशिक्षण लेना चाहते हैं वे आगामी 9 अगस्त,2024 तक अपने आवेदन पत्र संबंधित संस्थान में किसी भी कार्य दिवस को प्रातः 9 बजे से सायं 4.30 बजे तक जमा करवा सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5.8.24	4	5

एचएयू में व्यावसायिक प्रशिक्षण नौ अगस्त से किया जाएगा शुरू

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में हरियाणा के अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण दिए जाएंगे। संस्थान के सह-निदेशक डॉ. एके गोदारा ने बताया कि विवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में 9 अगस्त से पांच दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण किया जाएगा। इसके अंतर्गत फल व सब्जी परीक्षण, नर्सरी रेजिंग, बेकरी, दूध एवं इसके मूल्य संवर्धित उत्पाद, कटाई एवं सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अनुसूचित जाति/जनजाति के बेरोजगार और जरूरतमंद विशेष कर ग्रामीण युवक-युवतियां, जो यह प्रशिक्षण लेना चाहते हैं वे आगामी 9 अगस्त तक अपने आवेदन पत्र संबंधित संस्थान में किसी भी कार्य दिवस को प्रात: 9 से सायं 4:30 बजे तक जमा करवा सकते हैं।

फॉर्म भरने से पहले संबंधित व्यक्तियों को परिवार पहचान पत्र के अनुसार किसी भी सदस्य ने इससे पहले इस विश्वविद्यालय या इसके संबंध हरियाणा के किसी भी कृषि विज्ञान केंद्र संस्थान से अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों के लिए सहायता प्राप्त स्कीम के तहत किसी भी तरह का प्रशिक्षण प्राप्त न किया हुआ हो, इस संबंध में उम्मीदवार को अंडरटेकिंग इस संस्थान में जमा करवानी होगी। यह संस्थान विवि के गेट नंबर-3, लुदास रोड पर है। आवेदक की आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5.8.24	5	6-8

अनुसूचित जाति/जनजाति उम्मीदवारों हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण 9 से

हिसार, 4 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार स्थित सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में हरियाणा के अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण दिए जाएंगे।

आवेदक की आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और इस प्रशिक्षण में विकलांग, विधवा तथा तलाकशुदा महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सीसीएसएचएयू, हिसार में 9 अगस्त से पांच दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत फल व सब्जी परीक्षण, नर्सरी रेजिंग, बेकरी, दुग्ध एवं इसके मूल्य संवर्धित उत्पाद, कटाई एवं सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अनुसूचित जाति/ जनजाति के बेरोजगार और जरूरतमंद विशेष कर ग्रामीण युवक एवं युवतियां, जो यह प्रशिक्षण लेना चाहते हैं वे आगामी 9 अगस्त,2024 तक अपने आवेदन पत्र संबंधित संस्थान में किसी भी कार्य दिवस को प्रात: 9 बजे से सायं 4.30 बजे तक जमा करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक योग्यता, प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र, हरियाणा सरकार द्वारा जारी अनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, नवीनतम रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक अकाउंट की कॉपी सहित सभी दस्तावेजों की सत्यापित प्रति संलग्न करनी होगी। उन्होंने बताया कि फॉर्म भरने से पहले संबंधित व्यक्तियों को परिवार पहचान पत्र के अनुसार किसी भी सदस्य ने इससे पहले इस विश्वविद्यालय या इसके संबंध हरियाणा के किसी भी कृषि विज्ञान केंद्र संस्थान से अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों के लिए सहायता प्राप्त स्कीम के तहत किसी भी तरह का प्रशिक्षण प्राप्त न किया हुआ हो इस संबंध में उम्मीदवार को अंडरटेकिंग इस संस्थान में जमा करवानी होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	5-8-24	3	3-4

पंजाब केसरी

एच.ए.यू. में एस.सी./बी.सी. उम्मीदवारों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण 9 से

चंडीगढ़, 4 अगस्त (बंसल): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में हरियाणा के अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों को विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण दिए जाएंगे। आवेदक की आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और इस प्रशिक्षण में दिव्यांग, विधवा तथा तलाकशुदा महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

- **दिव्यांग, विधवा व तलाकशुदा महिलाओं को दी जाएगी प्राथमिकता**

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि सी.सी.एस.एच.ए.यू., हिसार में 9 अगस्त से 5 दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत फल व सब्जी परीक्षण, नर्सरी रेजिंग, बेकरी, दुग्ध एवं इसके मूल्य संवर्धित उत्पाद, कटाई एवं सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अनुसूचित जाति/ जनजाति के बेरोजगार और जरूरतमंद विशेष कर ग्रामीण युवक एवं युवतियां, जो यह प्रशिक्षण लेना चाहते हैं वे 9 अगस्त तक अपने आवेदन पत्र संबंधित संस्थान में किसी भी कार्य दिवस को प्रातः 9 बजे से सायं 4.30 बजे तक जमा करवा सकते हैं।